प्रैस विज्ञप्ति

दिनांक 27/01/2021,अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में समर्पण योग क्लब एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका विषय था" चरित्र निर्माण में योग की उपादेयता" इस अवसर पर आचार्य श्री यश पाराशर "राष्ट्रीय संगठन मंत्री योग फेडरेशन ऑफ इंडिया" मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत परंपरा अनुसार वैदिक मंत्रों के उच्चारण तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम की शुरुआत अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य व कार्यक्रम अध्यक्ष डॉक्टर कृष्ण कांत गुप्ता ने अतिथि का स्वागत करते हुए सभी का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के योग से भोग की ओर जाने के कारण ही चरित्र ह्रास हुआ। योग द्वारा चरित्र निर्माण के पक्ष में उन्होंने कहा कि योग से गति आती है, गति से प्रगति आती है और ठहरने से दुर्गति हो जाती है।

मुख्य अतिथि आचार्य श्री पाराशर ने भविष्य के लिए संकल्पित होने में गुरु की महत्ता पर बल दिया और गुरु को अंधकार से प्रकाश की ओर जाने वाला बताया।उन्होंने आरोग्यता की पूर्णता को अनिवार्य मानते हुए कहा- जीवन लघु हो परंतु आरोग्यता से भरा हो क्योंकि मृत्यु केवल शरीर की होती है विचारों की नहीं ।उत्तरी क्षेत्र के संयोजक गुरुजी जगराम सिंह (शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास) योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए धैर्य, संयम और विवेक से ही सफल योगी बना जा सकता है इस पर बल दिया। सेवक भाव से ही सच्ची राष्ट्र सेवा संभव है जितना समाज को दोगे उससे अधिक स्वतः प्राप्त होगा।

कार्यक्रम का संचालन(हरियाणा प्रदेश संयोजक मातृभाषा व भारतीय भाषा शिक्षा प्रचार प्रकल्प) बांके बिहारी ने किया और बताया इस कार्यशाला में डिजिटल माध्यम से लगभग 5100 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।इसी के साथ देश प्रदेश के लगभग 100 विद्वान इस ऑनलाइन कार्यशाला से जुड़े रहे।संयोजक डॉक्टर आर पी शर्मा ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया ।सह संयोजक श्रीमती मधु सिंगला ने योग पर लिखी स्वरचित कविता से सभी को आनंद विभोर कर दिया। कार्यशाला में श्याम आर्य प्रशिक्षक ने अनेक योग मुद्राओं का अद्भुत प्रदर्शन करवाया।